

संपादकीय

उच्च शिक्षा को कसोटी पर

औचित्य

औचित्य और अनुचित के बीच यूं तो महीन सा फर्क भी काफी सताता है, फिर भी सियासत के छबील अपनी खुशामद में संसाधनों की बेकदी करते रहते हैं। हिमाचल में औचित्य को सवित किए बिना राजनीति ने ऐसी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी कि लगातार सरकारों ने प्रदेश के सिर पर ऐसी विफलताओं की परिभाषा को स्थायी स्वरूप दे दिया। ऐसे में अनुचित की दुरुस्ती को यहां अपराध मान लिया या औचित्यहीनता के समानांतर ऐसे अनेक फलसफे चुन लिए। ताजातरीन उदाहरण मंडी में स्थापित किए गए एसपीयू विश्वविद्यालय के औचित्यको लेकर सामने आ रहा है, जहां उच्चशिक्षा के प्रबंधन की उचित कसीटी तय हो रही है। जिस तर्जे से मंडी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, उससे स्थापित शिक्षण की परंपराएं भी चिकित थीं। उस दौर की प्राथमिकता में नए विश्वविद्यालय को दौड़ाने की हर संभव कोशिश हुई और शिक्षा अपने बंटवारे की सतह पर हतप्रभ थी। चंद दिनों की मुनादी ने शिमला विश्वविद्यालय के अस्तित्व को इतना हलाल किया कि प्रदेश के कई बड़े महाविद्यालय भी चीख उठे। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ। जब हमीरपुर में तकनीकी विश्वविद्यालय बना, तो प्रदेश के इंजीनियरिंग व बीएड कालेज उखड़ रहे थे। जब मंडी में मेडिकल यूनिवर्सिटी बन रही थी, तो अधिकांश सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय उचित फैकल्टी के लिए तरस रहे थे। यह तो गमीनत है कि संस्कृत और दिजीटल

हिमाचल में औचित्य को साधित किए बिना राजनीति ने ऐसी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी कि लगातार सरकारों ने प्रदेश के सिर पर ऐसी विफलताओं की परिभाषा को स्थायी रख रखा दे दिया। ऐसे में अनुचित फीटुर्सी की यहां अपराध मान लिया या औचित्यहीनता के समानांतर ऐसे अनेक फल सफे चुन लिए। ताजातरीन उदाहरण मंडी में स्थापित किए गए एसपीयू विश्वविद्यालय के औचित्य को लेकर सामने आ रहा है, जहां उच्च शिक्षा के प्रबंधन की उचित करसीटी तय हो रही है। जिस तर्जी से मंडी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, उससे स्थापित शिक्षण की परंपराएं भी चिकित थीं। उस दौर की प्राथमिकता में नए विश्वविद्यालय को दौड़ाने की हर संभव कोशिश हुई और शिक्षा अपने बंटवारे की सतह पर हत्तप्रभ थी। चंद दिनों की मुनादी ने शिमला विश्वविद्यालय के अस्तित्व को इतना हलाल किया कि प्रदेश के कई बड़े महाविद्यालय भी यीख उठे। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ। जब हमीरपुर में तकनीकी विश्वविद्यालय बना, तो प्रदेश के इंजीनियरिंग व बीएड कालेज उत्तर रुड़ रहे थे। जब मंडी में मेडिकल यूनिवर्सिटी बन रही थी, तो अधिकांश सरकारी विकास समाजिक विद्यालय उचित फैकल्टी के लिए तरस रहे थे।

या इसके कम सख्ता बाल 117 प्राथमिक व 26 मॉडल स्कूल सरकार का बदलने पड़े हैं। अभी कई संस्थान डिनोटिफाई होकर अपने औचित्य की जगह लड़ाकों की ओर हैं। हिमाचल का राजनीतिक इतिहास हमें बार-बार सचेत कर रहा है कि औचित्यहीन फैसलों के कारण प्रदेश ने अपने आधिक संबल तोड़ डाले हैं। कितने ही औचित्यहीन स्कूल, कालेज, चिकित्सालय, दफतर तथा सरकारी उपक्रम संसाधनों की बर्बादी के चिडियाघर बने हुए हैं, जहां जनता सिर्फ सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की तरक्की में राज्य की लाचारी का तमाशा देख रही होती है। हम भी इस लाचारी का तमाशा बन जाते हैं जब तथाकथित स्नातकोत्तर कालेजों में शिक्षा ग्रहण करके भी योग्यता के बाजार में असफल होते हैं। हमारे चिकित्सा संस्थान तो जिंदगी से बेरहम सौंदेवाजी में हर मरीज को तमाशा बना देते हैं और जब पीजीआई चंडीगढ़ के डाक्टर पूछते हैं कि हिमाचल का चिकित्सा विभाग हर दिन मरीजों के रैफर करके अस्थिर क्या कर रहा है, तो यह प्रदेश का तमाशा है। आस्थिर हम बौतर राज्य कर क्या रहे और कहां हैं हमारा औचित्य। इसलिए अगर सुक्ष्म सरकार मंडी विश्वविद्यालय में अनुचित देख रही है, तो इसी धार पर अन्य विश्वविद्यालयों या उच्च शिक्षण संस्थानों के औचित्य पर पूरी ईमानदारी से और भी फैसले लेने होंगे, वरना कल कोई और आकर किसी अन्य संस्थान के औचित्य को गौण कर देगा।

ਫੁਲ ਅਲਗ

संसद का 'मास्टर स्ट्रॉक' सत्र

संसद उसके 32 दिन बाद ही मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र खुलाया है, तो यह 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 18-22 सितंबर के 5 दिनों में संसद के विशेष सत्र की घोषणा की है, लेकिन एजेंडे का खुलासा नहीं किया है। यह असामान्य कार्यशैली है, क्योंकि स्पीकर के साथ कार्य मंत्रिणा समिति की बैठक के दौरान सरकार को संसद सत्र के एजेंडे का खुलासा करना होता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक सोच है। विशेष सत्र 17 वें लोकसभा का निर्णायक, अंतिम सत्र भी हो सकता है। इसके मद्देनजर, यदि 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पारित भी किया जाता है, तो वह एकदम पूरे देश पर लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव बीते कुछ माह के दौरान ही हुए हैं अथवा उन्होंने अपने कार्यकाल का प्रथम वर्ष ही पूरा किया है। क्या संसद से

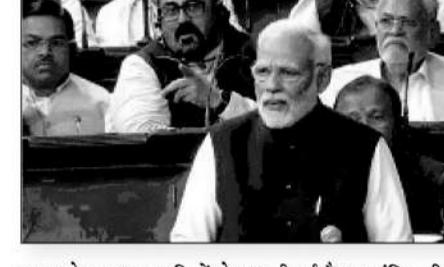
विधानसभाओं की अवधि बढ़ाने या घटाने का सर्वेधानिक संशोधन प्रस्ताव भी पारित कराया जा सकता है? हालांकि चर्चाएँ हैं कि सरकार महिला आरक्षण, समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, आरक्षण के प्रावधान की ओबीसी की केंद्रीय सूची आदि पर नए विधेयक पेशे और पारित करा सकती है। लोकसभा में महिलाओं के लिए 180 सीटें आरक्षित या बढ़ाई जा सकती हैं। मोदी सरकार ऐसा महिला आरक्षण तय करना चाहती है। अधिकतर प्रस्तावित विलों के महेनजर संविधान में संशोधन करने पड़ेंगे, जिनके लिए कमोबेश दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य होगा। संविधान संशोधन के कुछ और प्रस्ताव भी संभव हैं। 'चंद्रयान-3' भारत की बहुत बड़ी अंतरिक्ष और वैश्विक वैज्ञानिक उपलब्धि है। संसद हमारे होनाहार और अनुभवी वैज्ञानिकों की ऐसी सफलता पर एक प्रस्ताव ला सकती है। भारत की 76 साल की स्वतंत्रता के दौरान जी-20 देशों की अध्यक्षता करना और शिखर सम्मेलन आयोजित करना भी अभूतपूर्व उपलब्धि है। संसद उस पर भी तालियां बजा कर प्रस्ताव पारित कर सकती है। यदि मोदी सरकार 'एक देश, एक चुनाव' का विधेयक पेशे करती है, तो यह व्यापक राजनीतिक उथल-पुथल का निर्णय होगा। देश की राजनीति ही बदल सकती है, क्योंकि विपक्षी गठबंधन तो फिलाहाल शैशव-काल में है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ-साथ कराना कोई नई व्यवस्था नहीं है। 1950 में संविधान लागू हआ और 1952 में प्रथम चुनाव कराए गए। 1952, 1957, 1962, 1967 में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी कराए जाते रहे। चूंकि 1968 में विधानसभाएं समय-पूर्व भंग की जाने लगीं और 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण लोकसभा चुनाव तय समय से पहले कराए गए, नीतीजतन व्यवस्था असंतुलित होती गई। हालांकि ओडिशा में आज भी दोनों चुनाव साथ-साथ और साथान्तर पर कराया जाते हैं।

भारत के नेतृत्व पर सतोष प्रकट करते हुए उन्होंने भारत के प्रांत अपने अच्छे विचार प्रकट किए हैं

वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है भारत का प्रभाव

अमा

प्रह्लाद सबनाना



भारत से 2,611 नागरिकों से सायं लो गई है। हालांकि, जी-2 समूह की देशों की कुल जनसंख्या 470 करोड़ है। रूस, चीन एवं तुक्रेयने इस ओपिनियन पोल में भाग नहीं लिया है। दूसरा प्रश्न जो उक्त ओपिनियन पोल में पूछा गया है वह यह कि क्या वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। 68 प्रतिशत भारतीयों ने कहा है कि हाँ, भारत का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, जबकि अन्य देशों के केवल 28 प्रतिशत नागरिकों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। तीसरा प्रश्न यह कि क्या आप भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का समर्थन करते हैं। 79 प्रतिशत भारतीयों ने कहा है कि हाँ, जबकि अन्य देशों के 37 प्रतिशत नागरिकों ने श्री मोदी की नीतियों का समर्थन किया है।

हाल ही के समय में भारत ने रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में नाराजगी की वजह से समर्थन करते हुए इस युद्ध में अपनी तटस्थ भूमिका निभाई है। भारत के इस रूख से चलते पाश्चमी देश भारत की नीतियों से नाराज दिखाई दे रहे हैं। इस युद्ध के बाद यूरोप के देशों में विशेष रूप से खाद्यान पदार्थ एवं ऊर्जा बहुत मंहारी हो गई है, जो इन देशों को यूक्रेन एवं रूस से मिलते रहे हैं, इसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीटी की दिपिछले 50 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। इन देशों के नागरिकों की इस सम्बन्ध में नाराजगी भारत पर निकलती दिखाई दे रही है। क्योंकि, यूरोप के 10 देशों में से 3 देशों के नागरिकों ने भारत व नीतियों को निशाने पर लिया है। फ्रान्स में वर्ष 2007 में किए गए इसी प्रकार के एक पोल में 29 प्रतिशत नागरिकों ने भारत सम्बन्ध में अपनी नाकारात्मक टिप्पणी की थी जबकि वर्ष 2020 में यह संख्या बढ़कर 39 प्रतिशत हो गई है। स्पेन में भी वर्ष 2007 में 34 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति अपनी

नकारात्मक विचार प्रकट किये थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 49 प्रतिशत हो गए हैं। जर्मनी में भी यह आंकड़ा वर्ष 2007 के 29 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 38 प्रतिशत हो गया है। यूनाइटेड किंगडम में वर्ष 2007 के 9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 30 प्रतिशत हो गया है एवं पोलैंड में वर्ष 2007 के 24 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 34 प्रतिशत हो गया है। वैश्विक पटल पर भारत के एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने को कुछ पश्चिमी देश पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत ने वर्ष 2014 के बाद से इन्हीं पश्चिमी देशों को सकल धरेलू उत्पाद के मामले में पीछे छोड़ा है। इस सम्बंध में वर्ष 2014 के पूर्व भारत का वैश्विक स्तर पर 10वां स्थान था जो और भारत, यूनाइटेड किंगडम, फ्रान्स, इटली, कनाडा, आदि देशों की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए अब 5वें स्थान पर आ गया है। अब भारत, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी अगले लगभग 2 वर्षों में पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साथ ही, उक्त यूरोपीय देशों औपनिवेशवाद की मानसिकता से अभी भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं कि भारत जो कि यूनाइटेड किंगडम का उपनिवेश देश रहा है वह कैसे ब्लिंटन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर उनसे आगे बढ़ रहा है।

इसी प्रकार लैटिन अमेरिकी देशों में भी भारत के प्रति कुछ नापाती दार्त्तन्त्रिक बलवानाकर रूप में कहल करा रहा है परन्तु

नारा जगा, हालांकि तुलनात्मक रूप से कुछ कम सर्वर पर, पांच गई है। मैट्रिस्को में 33 प्रतिशत नागरिकों, ब्राजील में 43 प्रतिशत नागरिकों एवं अर्जेटीना में 34 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति नकारात्मक टिप्पणी की है। आश्चर्यजनक रूप से दक्षिणी अफ्रीका में 51 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। जबकि ब्राजील एवं दक्षिणी अफ्रीका भारत के साथ 'ब्रिक्स' समूह के सदस्य देश भी हैं। अर्जेटीना भी अगले वर्ष ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने जा रहा है। भारत के यह समस्त देश मित्र देशों की सूची में अग्रणी रहे हैं एवं दक्षिणी अफ्रीका से हो भारत के एंतीहासिक सम्बंध रहे हैं।

हालांकि उक्त ओपिनियन पोल बहुत कम नागरिकों को शामिल करते हुए किया गया है परंतु कुछ आधास तो दिला ही रहा है और इससे कुछ सीखने की आवश्यकता भी है। अतः भारत को इन देशों के साथ अपने सम्बंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की ज़रूरत है।

प्रैकृतिक विज्ञान का खुबया-खामया समय में चिकित्सा विज्ञान ने बहुत प्रगल्भियां कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर हेतु

आपुण
अनभव के मेल

दृष्टिकोण

अच्छे शिक्षक ही देश के निर्माता हैं

अध्यापकों

देश का निर्माता कहा जाता है। समाज में बदलाव, विकास में प्रगति, चंद्रयान-3 को चांद की कक्षा में पहुंचाने और वहां उतारने की इच्छा शक्ति, अच्छा जीवन जीने की कला, शांति, मैत्री, वैद्युत विश्व में अच्छे शिक्षकों द्वारा ही संभव हो सका है। शिक्षक के मायने जो बच्चों को सिखा सके, समाज को नेतृत्व दे सके। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉक्टर कलाम ऐसे शिक्षक राष्ट्रपति हुए हैं जिन्होंने देश को सीखने व जल्द विकसित होने की भूख पैदा की है। जबान भारत में लाखों विद्यार्थी ऐसे अच्छे अध्यापकों का इंतजार बेस्ती से कर रहे हैं। शिक्षक के दायरे में केवल बच्चों को किताबी ज्ञान बांटना या फिर सीखने के प्रतिकल को कक्षा कक्ष में उतारना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का विकास करते हुए उन्हें अध्यापक जीवन के संर्पण से जागरूक करना है। नई शिक्षा नीति, नई पाठ्यचर्या एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास तुरंत व महत्वपूर्ण ध्यान चाहते हैं। यह उदारीकरण, निजीकरण, भूमिडलीकरण, विश्व व्यापार संगठन, सूचना एवं संचार तकनीकी, नव शैक्षिक प्रयोग, खुली अधिगम प्रणाली, जीवन कौशलों का विकास आदि विशेषताएं शिक्षकों में विशेष तौर पर अपेक्षित रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म की शिक्षा, भाषाओं का ज्ञान, मूल्य शिक्षा व इनकी समझ भी अध्यापकों में होना लाजिमी है। अध्यापकों एवं उनके उन्मुखीकरण पर मूल्यवान अनुरंधान किए गए हैं। यह अध्यापकों के विकास के लिए प्रदेश एवं देश के संदर्भ में सहायक सिद्ध हो सकते हैं, बरतें यह प्रभावी ढंग से क्रियान्वित हों। किसी भी देश के अध्यापक तथा वहां की शिक्षा नीति पर यह विशेष कृता है कि उन देश का विकास सारबोहानी के अन्तर्गत हो। इन सारी नीति के अन्तर्गत अध्यापकों के लिए विशेष विकास की दृष्टि ज्ञान साझा करना है। नई शिक्षा नीति 2020 अध्यापकों के मानकों को बढ़ाने एवं वर्तमान स्थिति में परिवर्तन की कल्पना करती है। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे पड़े व लेकर देने के बजाय फैसिलिटेटर और मैटर के रूप में कार्य करें। अध्यापक कक्षा कक्ष में इस तरह से सिखाएं कि बच्चों के बीच रचनात्मकता, जिज्ञासा, ज्ञान व सूचना की भूख बढ़े। शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रवार व प्रसार एवं बच्चों में इसकी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे डिजिटल रूप से भी साक्षर हों। विद्यालय में अध्यापकों की दिनचर्या बच्चों के साथ इस तरह से हो जिसमें उनके संज्ञानात्मक, भावनात्मक, शारीरिक एवं सामाजिक विकास एवं कल्याण विकसित हो सके और अध्यापक बच्चों के अंदर एक सामाजिक सम्बन्ध बढ़ावा दें।



संक्षिप्त खबरें

विष्णुगढ़ में भव्य रूप से मनाया गया

संस्कृत दिवस समारोह

विष्णुगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : विष्णुगढ़, घोड़ा ने दिवाली को सोबहन कालेज में विष्णुगढ़ संस्कृत दिवस समारोह मनाया गया। इस आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता निश्च ने की तथा संचालन समिति यशवंत युवान निश्च एवं प्रतिष्ठित मिश्च ने बाई-बाई संयुक्त नगर घटना किया। कार्यक्रम के पूर्व विष्णुगढ़ समाज के द्वारा प्रभात फैटी निकालका नगर घटना किया गया। कार्यक्रम में बारांखड़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद जयते सिंहा, सदर विधायक मनीष जायसवाल, जमुआ विधायक सह कार्यक्रम संयोजक केरल बाजरा, बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, बगोदर पूर्व विधायक नागेंद्र महतो, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी निश्च एवं संघर्ष समाजी उपस्थिति रही। संस्कृत देव भगवान् और संसद भाषाओं की जयती है, संस्कृत सबसे पुणीती भाषा है, एवं यह एक वैज्ञानिक भाषा भी है। वैज्ञानिकों के द्वारा संस्कृत भाषा पर धौषधी की विद्या जा रहा है, एवं आमतौर सानाना संस्कृत के लिए संस्कृत का विकास बहुत जल्दी है। विष्णुगढ़ के द्वारा आयोजित प्रांत अध्यक्ष युवान पाटेंग ने उत्तर बांधे कही, उठाने यह जी कहा कि पंचांग स्तर पर इसका विकास प्राचीर एवं प्रसाद बहुत जल्दी है। ताकि लोगों को सनातन धर्म एवं सनातन संस्कृति के बारे में पाठ पाठ सके। आज का युग वर्ग तनाव में रहता है, आमतौर संस्कृति एवं सनातन धर्म का पाठन कर वह तनाव मुक्त नहीं सकता। उठाने पौराणिक धर्म के लिए विष्णुगढ़ समाज के द्वारा जगद्वाया। इस नौके पर पौराणिक रूप से विष्णुगढ़ के प्रांत अध्यक्ष संस्कृत निश्च, संघर्ष यशवंत युवान निश्च, आमतौर सानाना संस्कृत के लिए विष्णुगढ़ पाटेंग, बगोदर निश्च, याजेंद्र याजेंद्र, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

कांप्यूटर प्रतियोगिता में प्रदर्शन लहराने पर किया गया सम्मानित

बरही (प्रभात मंत्र संवाददाता) : भागीरात्न विद्यालय के भाई बहनों को प्रात सर कांप्यूटर प्रतियोगिता में प्रदर्शन लहराने पर प्रधार्णी यज्ञीनी कुमार पाटे ने शुभकामनाएं प्रदान कर प्राचारित विद्यालय का निश्च, संघर्ष यशवंत युवान निश्च, आमतौर सानाना संस्कृत के लिए विष्णुगढ़ पाटेंग, याजेंद्र याजेंद्र पाटेंग, बगोदर निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, मलवेंद्र याजेंद्र, याजेंद्र पाटेंग, सुरेण निश्च, अंगित निश्च, पाटेंग निश्च, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

विष्णुगढ़ गोविंदपुर में जनजागरण समाज 18 सितंबर को की जायेगी

विष्णुगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : प्रखड़ क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर में जनजागरण समाज का आयोजन किया गया रहा है, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर जेवीकाप्रेस के अध्यक्ष यशवंत महतो देवो इस जनजागरण के तहत वेट के महत्व के बाबत याजेंद्र याजेंद्र साधा ही इराखंड के नीतीयों के बारे में धर्या किया जाएगा, जैसे नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च जी इसके अलावा ज्ञायांक में ही एवं बारांखड़, योगाना की सामग्री, यशवंत की सामग्री इत्यादि में जोर दिया जाएगा। इस समाज को सफल आयोजन बनाने हेतु गोविंदपुर के वालियों द्वारा गोविंदपुर प्रांत संघर्ष यशवंत समाज के सामाजिक, एवं सांस्कृतिक आयोजन का अध्यक्ष प्रकाश कुमार का प्रधार्ण एवं साथ की प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया जाएगा। उठाने अपने विद्यालय भाई बहनों को कांप्यूटर प्राचीर साथ की प्रतियोगिता में प्रदर्शन कर एवं प्रोत्साहित किया जाएगा।

विष्णुगढ़ गोविंदपुर में जनजागरण समाज 18 सितंबर को की जायेगी

विष्णुगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : प्रखड़ क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर में जनजागरण समाज का आयोजन किया गया रहा है, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर जेवीकाप्रेस के अध्यक्ष यशवंत महतो देवो इस जनजागरण के तहत वेट के महत्व के बाबत याजेंद्र याजेंद्र साधा ही इराखंड के नीतीयों के बारे में धर्या किया जाएगा, जैसे नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च जी इसके अलावा ज्ञायांक में ही एवं बारांखड़, योगाना की सामग्री, यशवंत की सामग्री इत्यादि में जोर दिया जाएगा। इस समाज को सफल आयोजन बनाने हेतु गोविंदपुर के वालियों द्वारा गोविंदपुर प्रांत संघर्ष यशवंत समाज के सामाजिक, एवं सांस्कृतिक आयोजन का अध्यक्ष प्रकाश कुमार के द्वारा किया जाएगा तथा संघर्ष की प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया जाएगा। उठाने अपने विद्यालय भाई बहनों को कांप्यूटर प्राचीर साथ की प्रतियोगिता में प्रदर्शन कर एवं प्रोत्साहित किया जाएगा।

शहीद जय मंगल पाटे डे नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

हजारीबाग (प्रभात मंत्र संवाददाता) : शहीद जयगंगल पाटे द्वारा याजिम फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कर्तव्यांकी प्रखड़ के गोदावर प्रांतवार प्रांतवार द्वितीय यशवंत याजेंद्र के अयोजक आयोजक प्रतियोगिता में टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें हेतु गोविंदपुर के वालियों द्वारा गोविंदपुर प्रांत संघर्ष यशवंत समाज के सामाजिक, एवं सांस्कृतिक आयोजन का अध्यक्ष प्रकाश कुमार के द्वारा किया जाएगा तथा संघर्ष की प्रतियोगिता में एक टीम नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

लगभग 3 सौ दुकानदारों को दिया गया

बेहतर नार्केटिंग का प्रयोग

हजारीबाग (प्रभात मंत्र संवाददाता) : गरीब फुटपाथ दुकानदार संघ और नेशनल एप्पोइन्शन ऑफ स्ट्रीट डेर्स ऑफ इंडियन, नवीनी द्वारा का 3 सौ पूर्वोत्तर दुकानदारों को बेहतर नार्केटिंग का प्रयोगवार प्रांतवार द्वितीय यशवंत याजेंद्र के अयोजक आयोजक आयोजक प्रतियोगिता का विद्यालय नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों के समर्थन में भाजपा का एक दिनी धरना प्रदर्शन

हजारीबाग (प्रभात मंत्र संवाददाता) : लॉ कॉलेज भाजपा के प्रांगण में कुरुपाति कार्यालय के समर्थ विधि कालेज के छात्रों ने एवं दिवारीय धरना आयोजन किया गया। जिसमें खाली पाई की चीजों बनाने से लोक द्वारा कार्रवाई की विद्यालय नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को दिया गया

चिकित्सक पर कार्यवाई करने का निर्देश

रामगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : आयोजन भागीरात्न आयोग योजना अंतर्गत उपलब्ध आयोजकों के अनुसार ईमानदारी नियोजन प्रदर्शन कर्तव्यांकी नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को दिया गया

चिकित्सक पर कार्यवाई करने का निर्देश

रामगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : आयोजन भागीरात्न आयोग योजना अंतर्गत उपलब्ध आयोजकों के अनुसार ईमानदारी नियोजन प्रदर्शन कर्तव्यांकी नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को दिया गया

चिकित्सक पर कार्यवाई करने का निर्देश

रामगढ़ (प्रभात मंत्र संवाददाता) : आयोजन भागीरात्न आयोग योजना अंतर्गत उपलब्ध आयोजकों के अनुसार ईमानदारी नियोजन प्रदर्शन कर्तव्यांकी नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

बरही में भाजपा की संकल्प यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

प्रभात मंत्र संवाददाता

बरही : बरही प्रखड़ भैंसद मैदान में भाजपा के आयोजित संकल्प यात्रा में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यक्रम की उपस्थिति हुए। कार्यक्रम में झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद जयते सिंहा, सदर विधायक मनीष जायसवाल, जमुआ विधायक सह विधायक योजना के द्वारा आयोजित संकल्प यात्रा के लिए विद्यालय नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे। एवं यह एक बैठक भाजपा के द्वारा आयोजित संकल्प यात्रा के लिए विद्यालय नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू पाटेंग, याजेंद्र दुर्वे, याजेंद्र दुर्वे सनात ब्रह्मण समाज के कई लोग जौगूद थे।

द्वारा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी

सह हजारीबाग पूर्व सांसद यदुनाथ पाटेंग ने विद्यालय नियोजन निश्च, याजेंद्र याजेंद्र निश्च, उत्तोग निश्च, डॉ. अंतू प

